नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 353
दि. 26.04.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'टीएमसी के गुंडे अपने लिए नया काम-धंधा तलाशने लगे', बंगाल में सीएम योगी की हुंकार

कोलकाता। (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को टीएमसी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बंगाल में सत्तारूढ़ दल जो गुंडे अब तक दादागिरी करते थे उन्हें हार का अंदाजा हो गया है।

टीएमसी के बहुत सारे गुंडे अभी से अपने लिए नया काम-धंधा तलाशने लगे हैं। कोई सोच रहा है कि कहां पंचर की दुकान लगाऊं तो कोई सड़क पर झाड़ू लगाने की तैयारी कर रहा है।

बंगाल में दूसरे चरण के चुनाव से पहले नदिया जिले के नवद्वीप में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने दो टूक चेतावनी दी। कहा कि चार मई को जब चुनाव के नतीजे आएंगे तो इन गुंडों को बंगाल में छिपने के लिए जगह तक नहीं मिलेगी।

सीएम योगी ने चैतन्य महाप्रभु के जन्मस्थान नवद्वीप की आध्यात्मिक पहचान व सांस्कृतिक विरासत को रेखांकित करते हुए कहा कि जिस भूमि ने दुनिया को भक्ति और वैष्णव परंपरा का संदेश दिया, जो बंगाल कभी भारत को पहचान देती थी आज वही राज्य टीएमसी के शासन में अपनी पहचान के संकट से जूझ रहा है।

सीएए के मुद्दे पर ममता बनर्जी को घेरते हुए कहा कि दीदी इसका विरोध सिर्फ इसलिए कर रही हैं क्योंकि उन्हें अपने वोट बैंक की चिंता है। दीदी को चिंता सता रही है कि अगर हिंदू अधिक हो गए तो सड़कों पर इफ्तारी कैसे होगी?

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल विधानसभा चुनाव में हर भारतीय का दांव लगा है, क्योंकि बांग्लादेशी घुसपैठिए न केवल राज्य में जनसांख्यिकीय बदलाव ला रहे हैं, बल्कि पड़ोसी राज्यों में भी फैल रहे हैं। यह राष्ट्र की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है।

दिल्ली और लखनऊ आरएसएस कार्यालय आतंकियों के निशाने पर, नोएडा से पकड़े गए दहशतगर्दों की ग्रेनेड अटैक की थी साजिश

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश एटीएस ने नोएडा और बिजनौर में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार किए गए आतंकियों के मंसूबे इतने खतरनाक थे कि वे देश की राजधानी दिल्ली और यूपी की राजधानी लखनऊ को दहलाने की साजिश रच रहे थे। जांच में सामने आया है कि इन आतंकियों के निशाने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के कार्यालय थे, जहां वे हैंड ग्रेनेड से हमला करने की तैयारी में थे।

नोएडा से गिरफ्तार किए गए इन दो आतंकियों के नाम हैं तुषार चौहान उर्फ हिजबुल्ला अली खान और समीर खान। दोनों ने पूछताछ में सुरक्षा एजेंसियों के सामने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, इन दोनों को पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आबिद जट ने दिल्ली और लखनऊ स्थित आरएसएस कार्यालयों पर धमाका करने

पूछताछ में सुरक्षा एजेंसियों के सामने कई चौंकाने वाले खुलासे

का लक्ष्य दिया था।

संघ के कार्यालयों की रेकी और नक्शे की तस्वीरें हुईं बरामद

आतंकियों के पास से दिल्ली और लखनऊ के महत्वपूर्ण ठिकानों के नक्शे बरामद हुए हैं। हिजबुल्ला ने स्वीकार किया है कि उसने संघ के कार्यालयों की रेकी भी की थी। हिजबुल्ला मूल रूप से एक हिंदू परिवार से है। वो इंस्टाग्राम के जरिए पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में आया था। भट्टी ने उसका ब्रेनवॉश किया और उसे इस्लाम अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उसने अपना नाम हिजबुल्ला अली खान रख लिया। इनके मोबाइल फोन से कई महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों की तस्वीरें भी मिली हैं, जो इस बात का संकेत हैं कि इनके निशाने पर कई वीआईपी ठिकाने थे।

पाकिस्तानी हैंडलर्स ने सौंपा था काम

एटीएस की कार्रवाई केवल नोएडा तक सीमित नहीं रही। बिजनौर से भी दो संदिग्ध आतंकियों जुल्फिकार उर्फ राका और आरिफ मलिक को गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों को पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स ने विशेष रूप से आगजनी के जरिए दहशत फैलाने का काम सौंपा था। इससे पहले 3 अप्रैल को लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन से साकिब, अरबाब, लोकेश और विकास गहलावत को पकड़ा गया था। इन्हीं से पूछताछ के आधार पर बिजनौर और नोएडा के नेटवर्क का पता चला।

वीडियो कॉल पर होती थी बात

जांच में एक वीडियो सामने आया है जिसमें दुबई में बैठा आकिब नामक शख्स AK-47 और हैंड ग्रेनेड लेकर ग्रुप कॉल पर इन आतंकियों से बात कर रहा था। पुलिस की सक्रियता देख आकिब ने जुल्फिकार को व्हाट्सएप कॉल कर सारे सबूत डिलीट करने का निर्देश भी दिया था। यह पूरा मॉड्यूल पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टरों के समन्वय से चल रहा था। शहजाद भट्टी ने कॉन्फ्रेंस कॉल के जरिए भारत के कई प्रभावशाली लोगों को धमकियां भी दिलवाई थीं।

सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी कामयाबी

एटीएस की इस समयबद्ध कार्रवाई ने एक बड़े संभावित हमले को टाल दिया है। फिलहाल पुलिस इस गिरोह में शामिल अन्य युवकों की तलाश कर रही है।

इनके खातों की भी जांच चल रही है ताकी इनसे जुड़े विदेशी दहशतगर्दों का भी पता चल सके और इनके नेटवर्क का पूरी तरह से सफाया किया जा सके। सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की यह प्रवृत्ति सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक नई और गंभीर चुनौती बन गई है।

काशी से पीएम मोदी दो ट्रेनों को दिखाएंगे हरी झंड़ी, दोनों ही ट्रेनें यूपी से महाराष्ट्र को जोड़ेंगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारस से पुणे के हडपसर तक अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई है, जो प्रतिदिन संचालित होगी।

पीएम मोदी बनारस से पुणे के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे, यूपी-महाराष्ट्र को जोड़ेंगी दो नई ट्रेनें।

पीएम मोदी ने बनारस-पुणे अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई।

यह ट्रेन बनारस से हडपसर (पुणे) तक प्रतिदिन चलेगी।

यूपी-महाराष्ट्र को जोड़ने वाली दो नई ट्रेनें शुरू हुईं।

वाराणसी। (जीएनएस)। पूर्वोत्तर रेलवे के बनारस स्टेशन से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटित अमृत भारत एक्सप्रेस अब पुणे जनपद के हडपसर रेलवे स्टेशन तक यात्रा करेगी। रेलवे बोर्ड के निदेशक कोचिंग संजय आर नीलम ने इस ट्रेन का शेड्यूल जारी किया है। यह ट्रेन बनारस-पुणे-बनारस के बीच संचालित होगी और इसकी पहचान नंबर 22589/22590 होगी।

यह 22 कोचों वाली अमृत भारत एक्सप्रेस बनारस रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन शाम सवा छह बजे रवाना होगी और 30 घंटे बाद, यानी तीसरे दिन रात 12:10 बजे हडपसर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। वापसी यात्रा में, यह ट्रेन दिन में ढाई बजे हडपसर से चलकर सुबह 07:50 बजे बनारस रेलवे स्टेशन पहुंचेगी।

भदोही जिले के निवासियों को भी इस ट्रेन से लाभ होगा, क्योंकि इसका पहला ठहराव ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर होगा। वर्तमान में ज्ञानपुर से सप्ताह में दो दिन, बुधवार (22132 ज्ञानगंगा सुपरफास्ट एक्सप्रेस) और शनिवार (11034 दरभंगा-पुणे एक्सप्रेस) गुजरती है। अमृत भारत एक्सप्रेस ज्ञानपुर से यात्रा करने वाली पहली नियमित ट्रेन होगी।

यात्रियों को इस ट्रेन से यात्रा करने के लिए निम्नलिखित 20 रेलवे स्टेशनों पर रुकने का अवसर मिलेगाः बनारस, ज्ञानपुर रोड, प्रयागराज, फतेहपुर, गोविंदपुरी, ओराई, झांसी, बीना, रानी कमलापति, नर्मदापुरम, ईटारसी, हरदा, खंडवा, भुसावल, जलगांव, मनमाड, रोपर गांव, अहिल्याबाई नगर, डाउंड कोर्ड लाइन और हडपसर रेलवे स्टेशन (पुणे)।

इस ट्रेन के संचालन से न केवल बनारस बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लोगों को भी यात्रा में सुविधा मिलेगी। यह ट्रेन यात्रियों के लिए एक नई और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प प्रस्तुत करेगी। वहीं दूसरी ट्रेन अयोध्या से मुंबई के लिए शुरू की गई है। दोनों ही ट्रेनें महाराष्ट्र को जोड़ेंगी। इन दोनों ही ट्रेनों के शुरू होने की वजह से यूपी का महाराष्ट्र से सीधा जुड़ाव हो सकेगा।

जादवपुर यूनवर्सिटी को पीएम मोदी ने बताया 'अराजकता का अड्डा', ममता बनर्जी बोलीं, 'ये एक्सीलेंस है'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जादवपुर यूनिवर्सिटी को अराजकता का अड्डा बताया, जिस पर ममता बनर्जी ने आपत्ति जताई. उन्होंने इसके लिए पीएम मोदी की आलोचना की.

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच जादवपुर यूनिवर्सिटी (JU) को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम ममता बनर्जी आमने-सामने आ गए. पीएम मोदी ने प्रदेश की टीएमसी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके शासनकाल में जादवपुर यूनिवर्सिटी अराजकता का अड्डा बन गया है. पहले इसकी दुनिया भर में इज्जत थी और यह राष्ट्रवाद की नींव पर बना था. PM मोदी ने कहा कि जो सरकार इस यूनिवर्सिटी को नहीं बचा पाई वो बंगाल क्या बचाएगी? ममता बनर्जी ने पीएम मोदी के इस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने इसे विश्वविद्यालय के छात्रों का अपमान बताते हुए कहा कि जादवपुर यूनिवर्सिटी के छात्र मेहनत से अपनी जगह बनाते हैं. सवाल पूछते हैं. सोचने-समझने की क्षमता रखते हैं. ये अराजकता नहीं है बल्कि एजुकेशन और एक्सीलेंस है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026 को जादवपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार कर रहे थे. इस दौरान एक रैली में मोदी ने कहा कि पहले जादवपुर यूनिवर्सिटी (खव) की दुनिया भर में इज्जत थी. यह राष्ट्रवाद की नींव पर बना था लेकिन अब कैंपस के अंदर धमकियां मिलती हैं. दीवारों पर देश-विरोधी नारे लिखे जा रहे हैं और छात्रों को पढ़ाई पर ध्यान देने की बजाय सड़कों पर विरोध करने के लिए मजबूर किया जाता है. पीएम ने कहा,

हमें यहां अराजकता नहीं, बल्कि पढ़ाई का अच्छा माहौल चाहिए. जो सरकार इस यूनिवर्सिटी को 'बचा' नहीं पाई, क्या वह राज्य का भविष्य बचा पाएगी?

बता दें कि जादवपुर यूनिवर्सिटी देश और दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटीज में गिनी जाती रही है. ममता बनर्जी और यूनिवर्सिटी के बीच रिश्ते कई बार टेंशन वाले रहे हैं. यहां के छात्रों ने ममता सरकार की आलोचना भी की है. फिर भी पीएम मोदी के बयान के बाद ममता बनर्जी ने तुरंत यूनिवर्सिटी का बचाव किया. उन्होंने कहा,

जादवपुर यूनिवर्सिटी के होनहार छात्रों को आप इस तरह का बताते हैं? यहां के छात्र अपनी मेहनत से जगह बनाते हैं. डिग्री लेते हैं. सोचने-समझने की क्षमता रखते हैं और सवाल पूछते हैं. यह अराजकता नहीं है बल्कि शिक्षा और उत्कृष्टता है.

ममता बनर्जी ने आगे कहा कि जिसे पीएम मोदी अराजकता कह रहे हैं, वो असल में लोकतंत्र का हिस्सा है. बुलडोजर पॉलिटिक्स, धर्म के नाम पर देश को बांटना और मीडिया का सामना न करना ये असली अराजकता है. ममता ने एक रैली में यूनिवर्सिटी के छात्रों से भी अपील की कि वह मोदी के बयान का विरोध करें.

बता दें कि NIRF 2025 रैंकिंग में जेयू पूरे भारत की यूनिवर्सिटीज में 9वें स्थान पर रही थी. टॉप 10 में आने वाली यह इकलौती स्टेट यूनिवर्सिटी थी. यह राज्य पब्लिक यूनिवर्सिटी कैटेगरी में पहले स्थान पर और ओवरऑल में 18वें स्थान पर रही.

सीएम योगी को वर्षों तक दी आर्थिक सलाह, अब देश की नीति बनाएंगे प्रो. केवी राजू; नीति आयोग में हुई नियुक्ति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आर्थिक सलाहकार प्रोफेसर केवी राजू को केंद्र

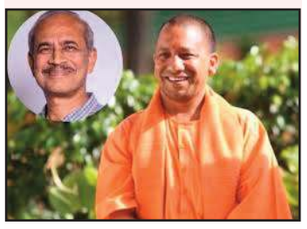

सरकार ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। प्रो. केवी राजू को नीति आयोग का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंजूरी के बाद यह नियुक्ति की गई है। प्रो. केवी राजू सहित कई विशेषज्ञों को नीति आयोग में पूर्णकालिक सदस्य के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियुक्त किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंजूरी के बाद यह नियुक्ति की गई है। अशोक कुमार लाहिड़ी को नीति आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जबकि राजीव गौबा, प्रो. केवी राजू, प्रो. गोबर्धन दास, प्रो. अभय करंदीकर

'ममता बनर्जी ने शारदा चिटफंड घोटाला किया', राहुल गांधी का टीएमसी चीफ पर जोरदार हमला, पीएम मोदी को बताया भ्रष्ट

राहुल गांधी ने कहा कि मैं 24 घंटा हर प्रदेश में भाजपा और फर की विचारधारा से लड़ता हूं और हमेशा वे मुझ पर आक्रमण करते हैं। मेरे ऊपर 36 केस हैं। मैं प्रधानमंत्री मोदी से नहीं डरता हूं।

कोलकाता , (जीएनएस)। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले दक्षिण 24 परगना में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने टीएमसी और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी भ्रष्ट हैं, लेकिन ममता बनर्जी भी भ्रष्टाचार में कम नहीं हैं।

राहुल गांधी ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ममता बनर्जी ने यहां बेरोजगारी फैलादी है। उन्होंने पिछले चुनाव में कहा था कि वे बेरोजगारी मिटा देंगी। उन्होंने कहा था कि वे 5 लाख युवाओं को रोजगार दिलवाएंगी, लेकिन आज बंगाल में 84 लाख युवा बेरोजगार हैं जिन्होंने बेरोजगारी भत्ता मांगा है। गांधी ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शारदा चिटफंड घोटाला किया है।

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पूरा बंगाल जानता है कि ळटउ के लोगों ने भ्रष्टाचार किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कभी ममता दीदी का घर नहीं छीना है क्योंकि ये लोग जानते हैं कि असली लड़ाई ळटउ से नहीं है बल्कि असली लड़ाई कांग्रेस पार्टी से है, जो इनके खिलाफ लड़ते हैं उन पर ये लोग पूरी तरह से आक्रमण करते हैं। भाजपा के लोग वोट चोरी करते हैं। इन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा में वोट चोरी करके चुनाव जीता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावर होते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी पूरे देश में लोकतंत्र पर आक्रमण कर रहे हैं। ये पूरे देश में वोट चोरी कर रहे हैं, जो भी भाजपा और फर से लड़ता है, उस पर ये लोग आक्रमण करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं 24 घंटा हर प्रदेश में भाजपा और फर की विचारधारा से लड़ता हूं और हमेशा वे मुझ पर आक्रमण करते हैं। मेरे ऊपर 36 केस हैं। मैं प्रधानमंत्री मोदी से नहीं डरता हूं।

इससे पहले, राहुल गांधी ने हुगली में एक चुनावी रैली में अमेरिका के साथ भारत के संबंधों को संभालने के तरीके को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया था और आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 'नियंत्रित' किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौता किया, जिसमें उन्होंने भारत के कृषि क्षेत्र, लघु एवं मध्यम उद्योग और ऊर्जा सुरक्षा को बेच दिया। इसके साथ ही उन्होंने हमारे सभी आंकड़े भी अमेरिका को सौंप दिए। देश का कोई भी प्रधानमंत्री बिना दबाव के ऐसा नहीं कर सकता।

गंगा, यमुना और ब्रह्मपुत्र... पीएम मोदी को हर जगह जाने का अधिकार, हिमंत बिस्वा सरमा का ममता पर पलटवार

(जीएनएस)।

हिमंत ने बंगाल चुनाव को लेकर एक बड़ा और अहम दावा किया है. उन्होंने कहा कि असम में पहले चुनाव के दौरान भारी अफरातफरी मचती थी. लेकिन आज असम में हर चुनाव एक बहुत बड़े उत्सव की तरह होता है. बंगाल में भी चुनाव का दूसरा चरण एक बड़े उत्सव जैसा ही चल रहा है. पहले चरण में बहुत अच्छी वोटिंग हुई और कोई भी अफरातफरी नहीं मची.

उत्तर 24 परगना. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भाजपा उम्मीदवार सुदीप्ता दास के समर्थन में एक रोड शो किया. इस कार्यक्रम में भाजपा के कई कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए. यह रोड शो नोआपारा पुलिस स्टेशन से शुरू होकर कांचरापाड़ा बाग मोड़ तक गया.

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि प्रधानमंत्री गंगा, यमुना और ब्रह्मपुत्र जाएंगे. प्रधानमंत्री को हर जगह जाने का अधिकार है. दीदी को इस पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए. पूरी दुनिया ने देखा कि बंगाल की

पर्यटन क्षमता बढ़ गई है. जब प्रधानमंत्री असम आते हैं तो मैं खुले दिल से उनका स्वागत करता हूं. दीदी, जो कुछ भी बंगाल के लिए अच्छा होता है, वह उसका विरोध करती हैं.

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने झालमुड़ी खाया तो पूरा देश झालमुड़ी पर फिदा हो गया है. यह बंगाल के लिए अच्छा हुआ या नहीं हुआ. इससे लोगों को रोजगार मिलेगा कि नहीं. ऐसे में ममता दीदी, प्रधानमंत्री का विरोध नहीं कर रही हैं, वो बांग्ला का विरोध कर रही हैं.

हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम में एक समय ऐसा था, जब चुनावों के दौरान काफी अफरा-तफरी मची रहती थी, लेकिन आज असम में चुनाव एक उत्सव की तरह है. मेरा मानना है कि बंगाल में चुनाव का दूसरा चरण भी एक उत्सव जैसा ही है. यही वजह है कि पहले चरण में अच्छी वोटिंग हुई. कोई अफरा-तफरी नहीं मची, लोगों ने बढ़-चढ़कर मतदान किया। इसीलिए दूसरे चरण में लोगों का उत्साह दोगुना हो गया है. सीएम सरमा ने कहा कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी और भाजपा को 200 से ज्यादा सीटें मिलेंगी. 23 अप्रैल को भी हिमंत बिस्वा सरमा ने उत्तर 24 परगना के बोंगागांव निर्वाचन क्षेत्र में जनसभा को संबोधित किया था.

चिलचिलाती गर्मी बनी मुसीबत... हरिद्वार, लखनऊ में बदली गई स्कूलों की टाइमिंग, कई राज्यों में छुट्टियों का ऐलान

भीषण गर्मी और लू को देखते हुए गाजियाबाद, लखनऊ, हरिद्वार सहित कई जगहों पर स्कूलों का समय बदल दिया गया है. अधिकतर जगह स्कूलों का समय अब सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक कर दिया गया है. छत्तीसगढ़, एमपी और ओडिशा राज्य में समय से पहले ही स्कूलों की गर्मी की छुट्टियां शुरू हो गई हैं. भारत के कई राज्य इस समय भीषण गर्मी और हीटवेव की चपेट में हैं. बढ़ते तापमान और लू की स्थिति को देखते हुए भारत के विभिन्न राज्यों में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है. यहां तक की कुछ में समय से पहले छुट्टियों की घोषणा कर दी है. हीटवेव की चेतावनी, हरिद्वार के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट मयूर दीक्षित ने पूरे जिले में स्कूलों के समय में बदलाव करने के निर्देश जारी किया है.

आदेश में कहा गया है, 27 अप्रैल से 26 मई तक, सभी प्री-प्राइमरी से क्लास 5 तक के स्कूल सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक चलेंगे.

नवसर्जन संस्कृति हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री ने सेबी के 38वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य भाषण दिया

श्रीमती सीतारमण ने उभरती वैश्विक चुनौतियों के लिए सेबी और सभी विनियमित संस्थाओं को साइबर सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के प्रति आगाह किया

सेबी को हर प्रमुख मंच पर क्षेत्रीय भाषाओं में जन-जागरूकता पर बड़े पैमाने पर निवेश करना चाहिए: केंद्रीय वित्त मंत्री

केंद्रीय वित्त मंत्री ने सेबी की देशव्यापी निवेशक जागरूकता पहल 'मिशन जागरूक' का भी शुभारंभ किया

वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण ने बिना पंजीकृत 'फिन-फ्लुएंसर्स' के खिलाफ सेबी की कार्रवाई की तारीफ की, जिम्मेदार वित्तीय शिक्षा के लिए सक्षम ढांचे का आ'ान किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आज मुंबई में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के 38वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाषण दिया।

इस अवसर पर श्रीमती सीतारमण ने सेबी की देशव्यापी निवेशक जागरूकता पहल 'मिशन जागरूक' का डिजिटल रूप से शुभारंभ भी किया।

अपने मुख्य वक्तव्य में केंद्रीय वित्त मंत्री ने सेबी से उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने का आग्रह किया, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण साइबर सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि किसी बड़े एक्सचेंज, डिपॉजिटरी, क्लियरिंग कॉरपोरेशन या बड़े ब्रोकर पर एक सफल साइबर हमला राष्ट्रीय स्तर पर बाजारों को बाधित कर सकता है, संपत्ति नष्ट कर सकता है और जनविश्वास को हिला सकता है, जिसे फिर से स्थापित करने में वर्षों लग सकते हैं। उन्होंने कहा कि एआई आधारित उपकरण साइबर हमलों को तेज, अधिक अनुकूलनीय, व्यापक और कई मामलों में अधिक स्वायत्त बना रहे हैं। ये जोखिम कई रूपों में सामने आ सकते हैं,जैसे- सिस्टम की कमजोरियों की स्वचालित पहचान,

सोर्स कोड में दुर्भावनापूर्ण हस्तक्षेप, सॉफ्टवेयर सप्लाई चेन पर हमले और ऐसे समन्वित हमले जो पहचान से बचने के लिए वास्तविक समय में बदलते रहते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'इसलिए केवल सेबी ही नहीं, बल्कि सभी विनियमित संस्थाओं को अत्यधिक सतर्क रहना होगा। हमले के उपकरण तेजी से विकसित हो रहे हैं और बचाव के उपकरणों को उससे भी तेज विकसित होना होगा।'

वित्त मंत्री ने कहा कि टेक्नोलॉजी के बढ़ते उपयोग के साथ सोशल मीडिया पर नकली निवेश वीडियो और ऐप्स की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है जिनमें से कई 'डीपफेक एआई' का उपयोग कर नेताओं की नकली पहचान प्रस्तुत करते हैं

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि अप्रैल 2025 से लागू सेबी का साइबर सुरक्षा और साइबर रेजिलिएंस फ्रेमवर्क सराहनीय है और इस पर आगे और काम किया जा सकता है।

वित्त मंत्री ने बताया कि सेबी की डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल फॉरेंसिक प्रयोगशाला उन्नत विश्लेषण और एआई/एमएल मॉडल का उपयोग कर जटिल बाजार हेरफेर पैटर्न और नेटवर्क आधारित धोखाधड़ी का पता लगा रही है। उन्होंने 'सेबी चेक' पहल की भी सराहना की, जो निवेशकों को धन हस्तांतरण से पहले पंजीकृत मध्यस्थों के भुगतान विवरण की जांच करने की सुविधा देती है। उन्होंने कहा कि इन पहलों का विस्तार तेजी और व्यापकता के साथ किया जाना चाहिए तथा क्षेत्रीय भाषाओं में जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए, साथ ही फर्जी सामग्री के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था भी होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि 'सॉफ्ट-टच' नियमन और सार्वजनिक परामर्श आर्थिक दक्षता और प्रभावी शासन के लिए आवश्यक हैं। अत्यधिक विस्तृत नियम पुस्तिका के बजाय सिद्धांत-आधारित विनियमन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2023 में नियामक प्रक्रिया में सार्वजनिक परामर्श को शामिल करने की बात कही गई थी।वित्त मंत्री ने सेबी द्वारा परामर्शात्मक दृष्टिकोण अपनाने, जनमत आमंत्रित करने और बाजार प्रतिभागियों से संवाद करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारे निवेशक वैश्विक हैं और नियामकीय विकास का प्रभाव सीमाओं से परे जाता है, इसलिए नियामकीय संवाद केवल घरेलू स्तर तक सीमित नहीं रह सकते। श्रीमती सीतारमण ने शिकायत निवारण तंत्र को विश्वसनीय, सुलभ और समयबद्ध बनाए रखने पर भी जोर दिया।

उन्होंने बिना पंजीकृत 'फिन-फ्लुएंसर्स' के खिलाफ सेबी की कार्रवाई की तारीफ करते हुए कहा कि जिम्मेदार वित्तीय शिक्षा के लिए सक्षम ढांचे जरूरी हैं, लेकिन अनभिज्ञ खुदरा निवेशकों के भरोसे का निजी लाभ के लिए दुरुपयोग स्वीकार्य नहीं होना चाहिए।

वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि सेबी, आईईपीएफए और बाजार संस्थानों के साथ मिलकर कई 'निवेशक शिविर' कार्यक्रम आयोजित कर चुका है, जिससे अनक्लेम्ड वित्तीय संपत्तियों को कम करने और जागरूकता बढ़ाने में मदद मिली है।

उन्होंने सेबी से भारतीय प्रतिभूति बाजार में समान केवाईसी मानदंड लागू करने और प्रक्रियाओं के सरलीकरण व डिजिटलीकरण में अग्रणी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "सेबी के पास इस क्षेत्र में नेतृत्व करने के लिए निवेशकों की भागीदारी का पैमाना, डिजिटल बुनियादी ढांचे की गहराई और साथी नियामकों के बीच संस्थागत विश्वसनीयता है।"

सेबी के अध्यक्ष श्री तुहिन कांत पांडे ने कहा कि विगत वर्षों के दौरान सेबी ने स्क्रीन-आधारित ट्रेडिंग, डीमैटेरियलाइजेशन, रोलिंग सेटलमेंट, कॉरपोरेट गवर्नेंस को मजबूत करने और जोखिम प्रबंधन प्रणाली विकसित करने जैसे कई बुनियादी सुधार किए हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारत में 5,900 से अधिक सूचीबद्ध कंपनियां और 14 करोड़ से अधिक निवेशक हैं। पिछले दशक में बाजार पूंजीकरण में लगभग 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई है, जबकि म्यूचुअल फंड संपत्तियों में 20 प्रतिशत से अधिक की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि सेबी ने पिछले एक वर्ष में सभी हितधारकों के साथ मिलकर व्यापार सुगमता के लिए व्यापक सुधार किए हैं, जिनका उद्देश्य नियमों को सरल बनाना, अस्पष्टताओं को दूर करना और पूंजी निर्माण को बढ़ावा देना है।

विश्वास, सेवा और राष्ट्र निर्माण के 56 वर्ष

भारत के शहरी भविष्य को संवारने के 56 वर्ष का उत्सव

(जीएनएस)।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के तहत भारत की अग्रणी टेक्नो-फाइनेंसिंग नवरत्न सीपीएसई, आवासन एवं शहरी विकास निगम लिमिटेड (हुडको) ने आज अपना 56वां स्थापना दिवस "संकल्प दिवस" के रूप में मनाया। इस समारोह में पिछले साढ़े पांच दशकों में हुडको की शानदार उपलब्धियों को उजागर किया गया। इस समारोह में आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल, आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री टोखन साहू, मंत्रालय के सचिव श्री श्रीनिवास कटिकिथाला (आईएएस), और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय तथा राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह के बाद 'शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ)' और 'शहरी निवेश विंडो (व्रहक्ठ)' पर संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें व्रहक्ठ तकनीकी सहायता फ्रेमवर्क का अनावरण किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य इन योजनाओं और शहरी परिदृश्य को बदलने की उनकी क्षमता के बारे में जानकारी प्रसारित करना था। इस सत्र में विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों, कई नगर आयुक्तों और हुडको के कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर संबोधन में श्री मनोहर लाल ने राष्ट्र के बुनियादी ढांचे के विकास में हुडको के महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण के अनुरूप, हुडको भारत सरकार की शहरी परिवर्तन की नई योजनाओं के माध्यम से

सामने आने वाले विशाल अवसरों का लाभ उठाने में अपनी नई पेशकश व्रहक्ठ के जरिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इन योजनाओं में 'शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ)' भी शामिल है।

श्री टोखन साहू ने पीएमएवाई सहित भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को दिए गए समर्थन और राष्ट्र के शहरी परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान के लिए हुडको की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत में शहरीकरण की गति बहुत तेज है। अनुमान है कि 2050 तक 50% से अधिक आबादी शहरों में निवास करेगी, जिसके लिए शहरी बुनियादी ढांचे में भारी निवेश की आवश्यकता होगी। इस संदर्भ में, उन्होंने परिवर्तनकारी 'अर्बन चैलेंज फंड' (व१ुंल्ल उँ''ील्लौ ॠ्रल्ला) की शुरूआत को गेम-चेंजिंग पहल बताया। यह सार्वजनिक-निजी भागीदारी के लिए नए रास्ते खोलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि 'व्रहक्ठ' के माध्यम से, शहरी परिवर्तन का नया अध्याय लिखा जाएगा; इसके तहत शहरी स्थानीय निकायों को ऐसी परियोजनाओं की पहचान करने में सक्षम बनाया जाएगा, जो बैंक से वित्तपोषण प्राप्त करने योग्य हों और जिनसे राजस्व उत्पन्न करने वाला ऐसा बुनियादी ढांचा विकसित किया जा सके, जिसकी वित्तीय व्यवहार्यता सिद्ध हो चुकी हो।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव ने कहा कि हुडको में मौलिक परिवर्तन आया है और इसने अपने लिए विशिष्ट स्थान बनाया है; इसे प्रमुख वित्तीय संस्थान के रूप में पहचान मिली है, जो विशेष रूप से यूसीएफ और व्रहक्ठ की शुरूआत के साथ शहरी क्षेत्र में उत्प्रेरक की भूमिका निभा रहा है। कंपनी की पिछली उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि हुडको 'विकसित भारत' की नींव रख रहा है। उन्होंने कहा कि सतत शहरी विकास में योगदान देने के लिए हुडको की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर हुडको के मुख्य महा प्रबंधक (सीएमडी) ने सभा को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में हुडको ने अब तक का सबसे अधिक, लगभग 1,65,000 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया है और लगभग 52,000 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े पाँच दशकों से, हुडको ने लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अपने तीन मुख्य स्तंभों - वित्तपोषण, परामर्श और क्षमता निर्माण - के माध्यम से पूरे देश में सतत आवास का विकास किया है। हुडको, 'विकसित भारत 2047' के विजन के अनुरूप, अधिक मजबूत, स्मार्ट और समावेशी भारत के निर्माण के लिए नई प्रतिबद्धता के साथ पूरी तरह तैयार है।

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में, कई आंतरिक प्रकाशनों का विमोचन किया गया। इस अवसर पर हुडको के कर्मचारियों की लंबी एवं सराहनीय सेवा के लिए उन्हें, तथा विभिन्न राज्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रमुख हितधारकों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक संध्या के साथ हुआ, जिसमें हमारे देश की समृद्ध शास्त्रीय परंपराओं को अत्यंत सुंदर ढंग से प्रदर्शित किया गया।

सहालग के चलते लखनऊ में बढ़ी कॉमर्शियल सिलिंडर की डिमांड, 20-25 दिन तक की वेटिंग

सहालग के सीजन में शादी-विवाह और अन्य आयोजनों के बीच कॉमर्शियल गैस सिलिंडर की किल्लत के लोगों को लंबी वेंटिंग की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि कॉमर्शियल सिलिंडर की क्राइसिस की वजह से मेस संचालकों और स्ट्रीट वेंडर्स को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

लखनऊ, (जीएनएस)। सहालग के सीजन में शादी-विवाह और अन्य आयोजनों के बीच कॉमर्शियल गैस सिलिंडर की किल्लत के लोगों को लंबी वेंटिंग की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि कॉमर्शियल सिलिंडर की क्राइसिस की वजह से मेस संचालकों और स्ट्रीट वेंडर्स को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। एलपीजी सप्लाई में सुधार जरूर हुआ है, लेकिन अभी डिलीवरी में चार से पांच दिन लग रहे हैं। जिला प्रशासन की ओर से सभी गैस एजेंसियों से डिमांड और सप्लाई की रिपोर्ट तलब की गई है ताकि यह पता चल सके कि आखिर समस्या कहां पर है।

कॉमर्शियल सिलिंडर की डिमांड की बात की जाए तो यह हर दिन के हिसाब से अलग-अलग है। कभी दिन में 10 हजार से अधिक सिलिंडर की डिमांड है तो सहालग तेज होने पर ये आंकड़ा 16 से 17 हजार तक पहुंच रहा है। ऐसे में, शादी या अन्य समारोह के लिए सिलिंडर से जुड़े जो आवेदन आ रहे हैं, उनकी जरूरत के हिसाब से स्क्रूटनी की जा रही है। जिससे डिमांड और सप्लाई में बहुत अधिक गैप न आ सके। सभी गैस

एजेंसियों को पहले ही निर्देश दिए जा रहे हैं कि जिस दिन सहालग तेज है, उस दिन कॉमर्शियल सिलिंडर का स्टॉक पर्याप्त रखें, ताकि उपभोक्ताओं को उनकी जरूरत के हिसाब से सिलिंडर मिल सके।

राजधानी में गोमतीनगर, जानकीपुरम में जो बड़ी गैस एजेंसियां हैं, जिनके उपभोक्ताओं की संख्या अधिक है, उन्हें एलपीजी सिलिंडर की डिलीवरी के लिए वेट करना पड़ रहा है। इन एजेंसियों से जुड़े उपभोक्ताओं को एलपीजी सिलिंडर की बुकिंग के लिए चार से पांच दिन इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं, जिन गैस एजेंसियों के उपभोक्ता कम हैं, उनके यहां एक से डेढ़ दिन में ही सिलिंडर डिलीवर हो रहा है।

अगले महीने से राजधानी में बड़ा मंगल शुरू होने जा रहा है। इस बार यह आयोजन दो महीने चलेगा। शहर में 150 से अधिक प्वाइंट्स पर बड़े भंडारे लगेंगे, जिनमें कॉमर्शियल सिलिंडर का यूज होगा अभी से ही कई आयोजकों की ओर से सिलिंडर के लिए आवेदन करने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

छोटे स्ट्रीट वेंडर्स भी परेशान

हजरतगंज, गोमतीनगर, इंदिरानगर के स्ट्रीट फूड वेंडर्स का कहना है कि उन्हें भी कॉमर्शियल सिलिंडर समय से नहीं मिल पा रहा है। कई बार तो उन्हें 20 से 25 दिन की वेटिंग का सामना करना पड़ रहा है। इसकी वजह से न चाहते हुए भी उन्हें अपनी दुकान चलाने के लिए घरेलू एलपीजी सिलिंडर का सहारा लेना पड़ रहा है।

इस तरह समझें

30 लाख से अधिक एलपीजी कंज्यूमर्स शहर में, 3 गुना तक बढ़ गई है कॉमर्शियल सिलिंडर की डिमांड

15 हजार प्रति दिन कॉमर्शियल सिलिंडर की डिमांड सामने आ रही

18 हजार प्रति सिलिंडर डिमांड पहुंचती सहालग तेज होने पर

82 हजार ही पीएनजी कनेक्शनधारक शहर में, 10 हजार से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स भी यूज करते कॉमर्शियल सिलिंडर

बोले लोग

कॉमर्शियल सिलिंडर के लिए अच्छी खासी वेटिंग का सामना करना पड़ रहा है। हमें तो 20 से 25 दिन बाद ही सिलिंडर मिल रहा है। इसकी वजह से दिक्कत हो रही है। - हर्षवर्धन, मेस संचालक, हजरतगंज

कॉमर्शियल सिलिंडर टाइम से न मिलने की वजह से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पहले तो तीन से चार दिन में मिल जाता था, लेकिन अब दो दो सप्ताह इंतजार करना पड़ता है। - अजय, जियामऊ

पहले तो घरेलू एलपीजी सिलिंडर एक से दो दिन में ही घर आ जाता था, लेकिन अब तो चार से पांच दिन इंतजार करना पड़ता है। समय से सिलिंडर न मिलने से दिक्कत होती है। - मनु कश्यप, गोमतीनगर

सहालग की वजह से कॉमर्शियल सिलिंडर की मांग में दो से तीन गुना तक बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। इसके लिए सभी एजेंसियों को पहले ही डिमांड के अनुसार स्टॉक रखने को कहा गया है। वहीं, जो बड़ी गैस एजेंसियां हैं, जिनके कंज्यूमर्स अधिक हैं, वहां एलपीजी डिलीवरी में चार से पांच दिन का समय लग रहा है। इस पर काम किया जा रहा है। - ज्योति गौतम, एडीएम,

लखनऊ में अवैध प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर, 30 बीघा में विकसित कॉलोनियां ध्वस्त, 4 निर्माण सील

राजधानी लखनऊ में लगातार अवैध प्लॉटिंग पर एलडीए की ओर से कार्रवाई की जा रही है। शनिवार को गोमती नगर, चिनहट, बीबीडी और सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्रों में अभियान चलाया गया है।

लखनऊः (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में अवैध प्लॉटिंग और अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में शनिवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने गोसाईंगंज क्षेत्र में बड़ा अभियान चलाया। एलडीए की टीम ने गोसाईंगंज में लगभग 30 बीघा क्षेत्रफल में विकसित की जा रही दो

अवैध प्लॉटिंग पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया है।

प्रवर्तन जोन-1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि महेंद्र शुक्ला और अन्य द्वारा ग्राम लक्ष्मनपुरवा व दुलारमऊ में करीब 20 बीघा में अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी। वहीं, दुर्गेश सोनी और अन्य द्वारा सुल्तानपुर रोड स्थित ग्राम बक्कास में लगभग 10 बीघा क्षेत्र में बिना स्वीकृति प्लॉटिंग की जा रही थी। इन दोनों मामलों में एलडीए से ले-आउट स्वीकृत नहीं कराया गया था, जिसके चलते कार्रवाई की गई है।

सुशांत गोल्फ सिटी में चलाया गया अभियान

इसके अलावा गोमती नगर, चिनहट, बीबीडी और सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्रों में भी अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रहलाद सिंह, विकास सिंह, डॉ. विक्रांत सिंह, रईस हैदर और मोहम्मद इरफान समेत अन्य द्वारा किए जा रहे चार अवैध व्यावसायिक निर्माणों को सील कर दिया गया। एलडीए ने स्पष्ट किया है कि बिना स्वीकृति प्लॉटिंग और निर्माण के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जनगणना ड्यूटी और एफआईआर का खौफ... लखनऊ डीएम ने सख्त आदेश किया जारी

लखनऊ में जनगणना प्रशिक्षण से 694 प्रगणक और सुपरवाइजर अनुपस्थित पाए गए, जिसके बाद जिलाधिकारी ने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

लखनऊ में जनगणना प्रशिक्षण से 694 कर्मी अनुपस्थित।

जिलाधिकारी ने गैरहाजिर कर्मचारियों को एफआईआर की चेतावनी दी।

अनुपस्थिति पर कारण बताओ नोटिस, फिर निलंबन और एफआईआर।

लखनऊ। (जीएनएस)। जनगणना प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहने वाले प्रगणक और सुपरवाइजर के खिलाफ जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाया है। बिना किसी कारण अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों को एफआइआर की चेतावनी दी गई है। 21 अप्रैल 2026 से लखनऊ में जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। यह प्रशिक्षण नगर निगम के विभिन्न जोनों में आयोजित किया जा रहा है।

जोन-1 में अमीनाबाद इंटर कालेज, जोन-2 में ऐशबाग ईदगाह, जोन-3 में केंद्रीय विद्यालय सेक्टर-जे

अलीगंज, जोन-4 में माडर्न एकेडमी विराम खंड-5 और लखनऊ पब्लिक स्कूल विराट खंड-4, जोन-5 में मानस नगर स्थित इंडिया लिटरेसी बोर्ड तथा जोन-7 में इरम पब्लिक कालेज और सेंट डोमिनिक सेवियो कालेज इंदिरा नगर में प्रशिक्षण चल रहा है। 25 अप्रैल को हुए प्रशिक्षण के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए।

पहले चरण में अनुपस्थित कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। संतोषजनक जवाब न मिलने पर सेवा नियमों के तहत निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। लगातार अनुपस्थिति या ड्यूटी से इनकार करने पर धारा 11 के तहत एफआईआर दर्ज

'यूपी चुनाव में हमें 25 सीटें दे भाजपा, वरना अकेले लड़ेंगे', रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रामदास अठावले ने लखनऊ पहुंचकर उठाई मांग

केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रामदास अठावले ने मांग उठाई है कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बीजेपी उन्हें गठबंधन के तहत 25 सीटें दे।

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की बढ़ती सरगर्मियों के बीच केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने एक बड़ा ऐलान कर दिया है। एनडीए के सहयोगी दल रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रामदास अठावले ने कहा है कि वह 2027 में होने जा रहे यूपी विधानसभा चुनाव में 25 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए रामदास अठावले ने कहा कि उनकी पहली कोशिश यही है कि यूपी में बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा जाए। लेकिन, चुनाव लड़ने के लिए अगर उनकी 25 सीटों की मांग नहीं मानी जाती, तो फिर उनकी पार्टी अकेले ही मैदान में उतरेगी।

रामदास अठावले ने कहा कि उनकी पार्टी एनडीए की सहयोगी है और इसीलिए गठबंधन के तहत यूपी के चुनाव मैदान में उतरने की हमारी तैयारी है। उनकी मांग है कि गठबंधन में यूपी की 25 सीटें हमारी पार्टी रिपब्लिकन ऑफ इंडिया को दी जाएं। अगर हमारी मांग पर विचार नहीं किया जाएगा तो पार्टी अपने दम पर यूपी विधानसभा चुनाव लड़ेगी। इसके साथ ही अठावले ने मांग उठाई कि गांवों में दलित परिवारों को पांच-पांच एकड़ जमीन दी जाए और उनके लिए सामुदायिक केंद्र बनाएं जाएं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में रामदास अठावले ने कहा, 'उत्तर प्रदेश के अंदर सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार बनने के बाद गुंडाराज खत्म

हो गया है। साथ ही राम मंदिर का वर्षों पुराना मुद्दा भी सुलझ गया है। अब सीएम योगी से हमारी बस एक मांग है कि दलित परिवारों को रोजगार के लिए शहरों की तरफ पलायन ना करना पड़े, इसलिए हर परिवार को गांव में ही पांच एकड़ जमीन दी जाए। सरकार के इस कदम से पलायन रुकेगा और दलित परिवार गरीबी से बाहर निकलेंगे। हम आज सीएम योगी से मुलाकात करेंगे और उनसे अपील करेंगे कि प्रदेश में हमारी पार्टी आरपीआई को भी साथ लेकर चलें।'

बिहार और तमिलनाडु में भी उतारे प्रत्याशी

आपको बता दें कि मुख्य तौर पर महाराष्ट्र से आने वाली रामदास अठावले की आरपीआई ने हाल ही में बिहार विधानसभा चुनाव में तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। इसके अलावा तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में आरपीआई 18 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इससे पहले 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में आरपीआई ने 31 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन उसे एक भी सीट पर जीत नहीं मिल पाई।

रामदास अठावले इस समय राज्यसभा के सांसद हैं और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री हैं। हालांकि, लोकसभा या महाराष्ट्र की विधानसभा में उनकी पार्टी का कोई सदस्य नहीं है। उत्तर प्रदेश में अगले साल, 2027 में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने शानदार जीत हासिल करते हुए यूपी की 403 सीटों में से 255 अपने नाम की थी। वहीं, समाजवादी पार्टी को 111 सीटों पर जीत मिली थी।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

व्यावहारिकता की जरूरत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली नीति आयोग का पुनर्गठन हुआ है और इसमें अशोक लाहिड़ी को वाइस चेयरमैन तथा जिन पांच पूर्णकालिक सदस्यों की नियुक्ति हुई है उनमें सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री केवी राजू, एम्स के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अभय करंदीकर, पूर्व कैबिनेट सचिव राजीव गाबा और वैज्ञानिक गोवर्धन दास शामिल हैं। जिन लोगों को नीति आयोग में स्थान मिला है वे सभी अपने-अपने क्षेत्र में सक्षम और विशेषज्ञ हैं। किन्तु दुर्भाग्य की बात यह है कि इस आयोग में कृषि वैज्ञानिक और शिक्षा शास्त्री नहीं हैं। भारत की अर्थव्यवस्था का आधार कृषि है और कृषि के क्षेत्र की समस्याओं और उसके विकास के लिए कोई भी विशेषज्ञ पूर्णकालिक रूप से शामिल न किया जाना इस बात का परिचायक है कि किसान कल्याण और कृषि को उद्योग का दर्जा देने में सरकार कितनी गंभीर है। रही बात शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं एवं नई चुनौतियों की तो नीति आयोग में इस पर भी कोई ध्यान नहीं दिया गया है।

हैरानी की बात तो यह है कि नीति आयोग का गठन योजना आयोग के स्थान पर हुआ है। जिस तरह से योजना आयोग थिंक टैंक क्लब बनकर रह गया था बिल्कुल उसी तरह नीति आयोग भी व्यावहारिकता से दूर बौद्धिक व्यायाम करने वालों का क्लब बन चुका है। जिनकी शिक्षा-दीक्षा, रहन-सहन सब कुछ भारतीयता से परे है।

आज भारत में अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में वित्तीय, विपणन, मानव संसाधन से लेकर कृषि, खनिज, रक्षा एवं एआई के क्षेत्र में प्रगति ही नहीं बल्कि संतुलित विकास की जरूरत है। हमें अपने बाजार को आकर्षक तो बनाने की जरूरत है ही साथ ही साथ गुणवत्तापूर्ण उत्पादकता को आज की तुलना में कई गुना ज्यादा भी करना है। यह सब शहरी क्षेत्र से जुड़े बौद्धिक से संभव नहीं होगा बल्कि इसके लिए उन लोगों की सलाह एवं मार्ग दर्शन की जरूरत है जो जमीनी स्तर पर अपने-अपने क्षेत्रों में काम कर चुके हों। खुद आज के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो योजना आयोग पर तंज कसते हुए कहा था कि यह संस्था बिल्कुल हवा हवाई और अतार्किक है। वे एक घटना का उल्लेख करते हैं कि उनके राज्य में शेर के लिए कम और चीता के लिए ज्यादा राशि का आवंटन हुआ था तो उन्होंने योजना आयोग से पूछा था कि क्या शेर कम्यूनल है इसे कम और चीता सेक्युलर है इसलिए आवंटन की राशि कम ज्यादा कर दी गई है।

बहरहाल नीति आयोग एक दिशा-निर्देशन की सबसे बड़ी सरकारी संस्था है। इसके सदस्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठवें करके विकास की रूप रेखा लिखते हैं और सर्वांगीण विकास के लिए ऐसी व्यावहारिक नीतियां बनाते हैं जिन्हें आसानी से लागू किया जा सके। किन्तु दुर्भाग्य से यह संस्था आज उतनी उपयोगी साबित नहीं हो पाई जितना कि गांव, गरीब और गांधी के सबसे अंतिम पंक्ति के व्यक्ति की अपेक्षाओं को पूरा कर सके। उम्मीद है कि नीति आयोग की सलाह और यथार्थ के बीच व्यावहारिकतापूर्ण संतुलन स्थापित करने की जरूरत जरूर महसूस की जाएगी। नीति आयोग की प्रथमिकताएं तभी बदलेंगी जब इसे पैर के बल खड़ा किया जाएगा। अभी तो यह सिर के बल खड़ी है। उम्मीद है कि अन्य कार्यो की तरह यह कार्य भी जल्दी ही प्रधानमंत्री मोदी करेंगे।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने उन्नत बख्तरबंद वाहनों (ट्रैक्ड और व्हील्ड) का अनावरण किया

(जीएनएस)।

रक्षा विभाग (आरएंडडी) के सचिव और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने 25 अप्रैल, 2026 को महाराष्ट्र के अहिल्यानगर स्थित डीआरडीओ प्रयोगशाला परिसर में उन्नत बख्तरबंद वाहनों (ट्रैक्ड एवं व्हील्ड) का अनावरण किया। इन अत्याधुनिक वाहनों को व्हीकल्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (वीआरडीई) द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। आधुनिक तकनीक से लैस ये बख्तरबंद वाहन सशस्त्र बलों की बदलती और जटिल परिचालन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं।

दोनों उन्नत बख्तरबंद वाहनों को स्वदेशी रूप से डिजाइन एवं विकसित 30 मिमी के क्रूलेस टरट से सुसज्जित किया गया है, जो गतिशीलता, मारक क्षमता और सुरक्षा की आधुनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इन वाहनों में हाई-पावर इंजन और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का समावेश किया गया है, जिससे उच्च पावर-टू-वेट अनुपात, बेहतर गति, तीव्र ढलानों एवं कठिन बाधाओं को पार करने की क्षमता सुनिश्चित होती है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से, इनमें चारों ओर मॉड्यूलर ब्लास्ट और बैलिस्टिक प्रोटेक्शन प्रदान किया गया है, जो एसटीएएनएजी लेवल 4 तथा 5 के मानकों के अनुरूप है। इसके अतिरिक्त, हाइड्रो जेट प्रणाली से युक्त यह एम्फीबियन प्लेटफॉर्म जल अवरोधों को पार करने में सक्षम है, जिससे इसकी ऑपरेशनल लचीलापन

और बहुउद्देशीय उपयोगिता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

30 मिमी का क्रू-लेस टरट 7.62 मिमी पीकेटी गन के साथ एकीकृत है और इसे एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों के प्रक्षेपण के लिए भी कॉन्फिगर

किया गया है, जिससे इसकी मारक क्षमता व बहुआयामी उपयोगिता और बढ़ जाती है। इसके मूल डिजाइन में लचीलापन रखा गया है, जिससे इसे विभिन्न परिचालन भूमिकाओं के अनुरूप आसानी से कॉन्फिगर किया जा सकता है। इन उन्नत बख्तरबंद वाहनों में स्वदेशी सामग्री की हिस्सेदारी वर्तमान में लगभग 65 प्रतिशत है, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 90 प्रतिशत तक ले जाने की योजना है, जो रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को और सुदृढ़ करेगा।

इन वाहनों का निर्माण दो औद्योगिक साझेदारों टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और भारत फोर्ज लिमिटेड द्वारा किया गया है, जिन्हें कई एमएसएमई का सहायता प्राप्त है। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, विकसित हो रहे रक्षा इकोसिस्टम को मजबूती मिली है।

इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और आमार्मेंट एंड कॉम्बैट इंजीनियरिंग सिस्टम्स (एसीई); प्रोडक्शन, कोऑर्डिनेशन एंड सर्विसेज इंटरैक्शन (पीसीएंडएसआई) के महानिदेशक; टीएएसएल पुणे के सीईओ व एमडी; बीएफएल पुणे के वाइस चेयरमैन तथा जॉइंट एमडी; एवं उद्योग जगत के अन्य प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के निदेशक और वैज्ञानिक भी उपस्थित थे, जिनमें व्हीकल्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट, आमार्मेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट, डिफेंस मेटलर्जिकल रिसर्च लैबोरेटरी, हाई एनर्जी मैटेरियल्स रिसर्च लैबोरेटरी, कॉम्बैट व्हीकल्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट, और रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) शामिल हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में तापमान बढ़ने के मद्देनजर भारत मौसम विज्ञान विभाग ने व्यापक लू संबंधी दिशानिर्देश जारी किए

उत्तर-पश्चिम, मध्य और प्रायद्वीपीय भारत में लू चलने की संभावना: भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने नागरिकों को एहतियाती उपाय अपनाने की सलाह दी है; विस्तृत दिशानिर्देश ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

(जीएनएस)।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन भारत मौसम विज्ञान विभाग ने लू की स्थिति को लेकर विस्तृत दिशानिर्देश और सलाह जारी की है, क्योंकि देश के कई हिस्सों में तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है और सामान्य से अधिक गर्मी की स्थिति बनी हुई है।

नवीनतम आकलन के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी, मध्य और प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान वर्तमान में 40ट सेल्सियस से 44ट सेल्सियस के बीच है, जिसमें श्री गंगानगर (राजस्थान) में उच्चतम तापमान 44.5ट सेल्सियस दर्ज किया गया है। कई क्षेत्रों में तापमान सामान्य से 5ट सेल्सियस या उससे अधिक देखा गया है, जो देश के विभिन्न हिस्सों में बढ़ते तापीय तनाव की आशंका को दर्शाता है।

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य भारत के कुछ इलाकों में लू चलने की प्रबल संभावना है। साथ ही, तटीय और पूर्वी क्षेत्रों में गर्म और उमस भरे मौसम की आशंका है, जबकि उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में रातें गर्म रहने की संभावना है, जिससे असुविधा और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम और बढ़ सकते हैं।

विभाग ने आगे अनुमान लगाया है कि उत्तर-पश्चिमी भारत में अधिकतम तापमान में 27 अप्रैल तक कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होगा, जिसके बाद धीरे-धीरे गिरावट आएगी , जबकि मध्य और अन्य क्षेत्रों में पूर्वानुमान अवधि के दौरान तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि और उसके बाद गिरावट देखी जा सकती है।

मौजूदा और पूर्वानुमानित परिस्थितियों को देखते हुए, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने लू से बचाव के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी किए हैं और नागरिकों को आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी है। इनमें सीधे धूप में लंबे समय तक रहने से बचना, विशेष रूप से दोपहर के चरम समय में, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना, हल्के और हवादार कपड़े पहनना और उच्च तापमान के दौरान कठिन बाहरी गतिविधियों से बचना शामिल है। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से ही किसी स्वास्थ्य समस्या से ग्रसित व्यक्तियों जैसे संवेदनशील समूहों के लिए विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस बात पर जोर दिया है कि गर्मी से होने वाली बीमारियों जैसे कि हीट एग्जॉस्टशन और हीट स्ट्रोक को कम करने के लिए प्रारंभिक जागरूकता और निवारक उपाय महत्वपूर्ण हैं। आईएमडी के विस्तारित पूर्वानुमान के अनुसार, अगले 7 दिनों तक कई क्षेत्रों में , विशेष रूप से निम्नलिखित भागों में, लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है:

उत्तर पश्चिम भारत (पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश)

मध्य भारत (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ)

चयनित दक्षिणी क्षेत्र (केरल और माहे)

इसके अलावा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सहित तटीय राज्यों में गर्म और आर्द्र मौसम की स्थिति रहने की उम्मीद है, जबकि उत्तरी मैदानी इलाकों में रात में गर्मी का प्रकोप जारी रह सकता है, जिससे रात के समय लू लगने की समस्या और बढ़ जाएगी।

आईएमडी के अप्रैल से जून 2026 के मौसमी पूर्वानुमान के अनुसार , पूर्वी, मध्य और उत्तर-पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों और दक्षिण-पूर्वी प्रायद्वीप में सामान्य से अधिक लू चलने की संभावना है, जो मौजूदा गर्म मौसम के दौरान निरंतर तैयारी और शमन उपायों की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

आईएमडी ने लू से बचाव के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी किए हैं , जिनमें क्या करें और क्या न करें, तैयारी के उपाय और क्षेत्र-विशिष्ट सलाह शामिल हैं। ये दिशानिर्देश आम जनता के लिए https://mausam.imd.gov.in/responsive/heatwave_guidance.php पर उपलब्ध हैं । इन दिशानिदेर्शों का उद्देश्य व्यक्तियों, समुदायों और स्थानीय प्रशासनों को स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने और अत्यधिक गर्मी की स्थितियों से निपटने की क्षमता बढ़ाने में सहायता करना है।

मौसम विज्ञान विभाग तापमान के रुझानों पर लगातार नजर रख रहा है और समय पर पूर्वानुमान एवं चेतावनी जारी कर रहा है। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे आधिकारिक स्रोतों से नवीनतम जानकारी प्राप्त करते रहें और निर्धारित सुरक्षा उपायों का पालन करें।

गर्मी के मौसम में खुद को हाइड्रेटेड रखना बहुत जरूरी

(जीएनएस)। गर्मी के मौसम में खुद को हाइड्रेटेड रखना बहुत जरूरी है। खासतौर पर उन लोगों के लिए जो तेज धूप में बाहर निकलते हैं। लखनऊ यूनिवर्सिटी कैंपस में भी स्टूडेंट्स के लिए क्लासरूम से लेकर जगह-जगह वॉटरकूलर लगाकर पीने के पानी का इंतजाम किया गया है।

लखनऊ (ब्यूरो)। गर्मी के मौसम में खुद को हाइड्रेटेड रखना बहुत जरूरी है। खासतौर पर उन लोगों के लिए जो तेज धूप में बाहर निकलते हैं। लखनऊ यूनिवर्सिटी कैंपस में भी स्टूडेंट्स के लिए क्लासरूम से लेकर जगह-जगह वॉटरकूलर लगाकर पीने के पानी का इंतजाम किया गया है। पर इन वॉटरकूलर्स का पानी स्टूडेंट्स के लिए कितना सेफ है, इसकी जांच भी जरूरी है। दरअसल, एलयू के कई स्टूडेंट्स का कहना है कि कैंपस में हाई टीडीएस वाले पानी की सप्लाई के चलते उन्हें कई हेल्थ रिलेटेड इश्यूज होने का खतरा बना रहता है। इसकी हकीकत जानने के लिए दैनिक जागरण आईनेक्स्ट ने खुद इन वॉटरकूलर्स से सप्लाई किए जा रहे पीने के पानी का टीडीएस चेक किया। क्या कुछ रहा रिजल्ट, जानिए इस रिपोर्ट में

1- स्थान- जियोलॉजी डिपार्टमेंट के सामने

जियोलॉजी डिपार्टमेंट के सामने लगे वॉटर कूलर से जियोलॉजी डिपार्टमेंट, मैथ्स डिपार्टमेंट, सोशियोलॉजी डिपार्टमेंट, जूलॉजी डिपार्टमेंट के स्टूडेंट्स पानी पीते हैं। पानी की क्वालिटी चेक करने के लिए जब टीडीएस मीटर से पानी का टीडीएस चेक किया गया तो ये 551 निकला, जो आदर्श मानक के मुताबिक ज्यादा है।

2- स्थान- सोशल वर्क डिपार्टमेंट के सामने

समय- दोपहर 1.35 बजे

सोशल वर्क डिपार्टमेंट के सामने, साइबर लाइब्रेरी में पूरे कैंपस के बच्चे आते हैं और फिर ओएनजीसी बिल्डिंग के स्टूडेंट्स भी पानी पीने के लिए इधर ही आते हैं। यहां के पानी का टीडीएस 518 निकला। यहां मौजूद स्टूडेंट्स का कहना था कि कई बार पानी पीने के बाद उनको गले में खराश की प्रॉब्लम हो जाती है।

3- स्थान- आर्ट्स फैकल्टी

समय- दोपहर 2.50 बजे

आर्ट्स फैकल्टी में सेकेंड फ्लोर पर लगे वॉटर कूलर से कई डिपार्टमेंट्स जैसे एआईएच, एमआईएच, हिंदी डिपार्टमेंट के स्टूडेंट्स पानी पीने आते हैं, यहां का टीडीएस चेक करने पर सबसे ज्यादा 609 निकला। जो मानक से काफी ज्यादा है।

यहां भी ध्यान की जरूरत

477 यूनिवर्सिटी कैंपस में छात्रसंघ भवन के सामने लगे वॉटरकूलर का टीडीएस

440 कॉमर्स फैकल्टी के सामने लगे वॉटरकूलर का टीडीएस

438 गेट नं। 4 के पास लगे वॉटरकूलर का टीडीएस

442 गेट नं। 3 के पास लगे वॉटरकूलर का टीडीएस

453 गेट नं। 1 के पास लगे वॉटरकूलर का टीडीएस

क्या हैं बीएसआई के मानक

ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स के मानकों के मुताबिक, 300 तक का टीडीएस अच्छा माना जाता है जबकि 300-500 का टीडीएस एक्सेप्टेबल माना जाता है, लेकिन अगर टीडीएस 500 से ज्यादा है तो फिर ध्यान देने की जरूरत है। इसे हाई टीडीएस की कैटेगरी में रखा जाता है। हाई टीडीएस को लेकर केजीएमयू के मेडिसिन डिपार्टमेंट के एक्सपर्ट डॉ। डी हिमांशू का कहना है कि 500 के ऊपर का टीडीएस स्टूडेंट्स को ओबेसिटी और डाइजेशन से रिलेटेड इश्यूज दे सकता है। हालांकि, ये इस पर निर्भर करता है

गरीबी में जिया 'कालू' कैसे बना पीएम मोदी का 'सेलिब्रिटी' सारथी! नाव से गंगा की सैर कराते ही बदल गई जिंदगी, लोग नहीं कर पा रहे यकीन

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के एक बेहद साधारण नाविक गौरांग विश्वास, जिन्हें गांव में लोग 'कालू' के नाम से पुकारते हैं, उनकी किस्मत ने ऐसी करवट ली कि वह रातों-रात पूरे देश की सुर्खियों में आ गए. कोलकाता के प्रिंसेप घाट पर अचानक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौरांग की नाव पर सवारी की, जिससे यह गरीब परिवार और उनका पूरा गांव गोपालपुर अचंभित है. 15 साल पहले मछली कम होने और गरीबी के कारण रोजी-रोटी की तलाश में अपना गांव छोड़ने वाले गौरांग आज एक 'सेलिब्रिटी' बन चुके हैं. जानें पूरी कहानी.

पश्चिम बंगाल की सरगर्मी भरी राजनीति के बीच अक्सर बड़े-बड़े उलटफेर देखने को मिलते हैं, लेकिन हुगली के एक छोटे से गांव गोपालपुर के रहने वाले 70 वर्षीय गौरांग विश्वास (कालू) के लिए बीता शुक्रवार किसी सपने के सच होने जैसा था. कोलकाता के ऐतिहासिक प्रिंसेप घाट पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अचानक उनकी नाव पर सवार हुए, तो गौरांग के हाथ पतवार थामे थोड़े ठिठक जरूर गए थे, लेकिन उनके चेहरे पर एक असीम संतोष था. ुल्लॅ'.ल्लीę२18ॄ्रे में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम मोदी ने न केवल उनकी नाव पर गंगा विहार किया, बल्कि इस मुलाकात ने गौरांग के साधारण से जीवन को एक नई पहचान दे दी है. वह नाविक जो कभी पेट पालने के लिए गंगा में मछलियां पकड़ता था और तंगहाली के कारण दर-दर भटकने को मजबूर था, आज

देश के सबसे ताकतवर व्यक्ति का 'सारथी' बनकर चर्चा में है. प्रधानमंत्री की इस सादगी भरी मुलाकात ने गौरांग के पूरे परिवार को रातों-रात सेलिब्रिटी बना दिया है.

प्रिंसेप घाट का वो पल जब पीएम मोदी अचानक पहुंचे पास

कोलकाता के प्रिंसेप घाट पर रोजाना की तरह नाविकों की कतार लगी थी. गौरांग विश्वास भी अपनी नाव लेकर सवारियों के इंतजार में खड़े थे. रिपोर्ट के अनुसार, सुबह एक अजनबी शख्स आया और उसने सात नावें बुक कीं. गौरांग को रत्ती भर भी अंदाजा नहीं था कि इन नावों में कौन बैठने वाला है. तभी उन्होंने देखा कि सफेद कुर्ता, कंधे पर हल्का सा चौरस और हाथ में कैमरा लिए खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनकी नाव की ओर बढ़ रहे हैं. यह नजारा देख गौरांग की आंखें फटी की फटी रह गईं. जिसे उन्होंने सिर्फ टीवी पर देखा था, वह साक्षात उनके सामने खड़ा था और उनकी ही नाव पर पैर रख रहा था.

शुरूआत में जब गौरांग के बेटे शंकर के पास रिश्तेदारों और अनजान लोगों के फोन आने शुरू हुए, तो परिवार बुरी तरह घबरा गया. उन्हें लगा कि शायद कोई अनहोनी हो गई है. शंकर ने मीडिया को बताया कि जब उन्होंने घबराहट में अपने पिता को फोन किया, तो गौरांग ने बहुत संक्षिप्त जवाब दिया. उन्होंने बस इतना कहा, 'मैं अभी बहुत व्यस्त हूं, बाद में बात करता हूं.' उस वक्त परिवार को अंदाजा नहीं था कि उनके पिता देश के प्रधानमंत्री को गंगा की लहरों की सैर करा रहे हैं. बाद में जब टीवी पर फुटेज चली और सोशल मीडिया पर फोटो वायरल हुए, तब जाकर परिवार की जान में जान आई और उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा.

गौरांग विश्वास का जीवन संघर्षों की एक लंबी दास्तान है. करीब 15 साल पहले वह हुगली के बलॉगढ़ में गंगा में मछली पकड़कर अपना गुजारा करते थे. लेकिन वक्त बदला और गंगा में मछलियां कम होने लगीं, जिससे परिवार का पेट पालना दूभर हो गया. तभी उन्होंने एक बड़ा फैसला लिया और अपना गांव छोड़कर कोलकाता के प्रिंसेप घाट पर आकर नाव चलाने लगे. आपको जानकर हैरानी होगी कि गौरांग की अपनी कोई नाव नहीं है. वह आज भी दूसरों की नाव चलाकर दिहाड़ी मजदूरी करते हैं और उसी से अपनी बीमार पत्नी और बच्चों का पेट पालते हैं. इस भीषण गरीबी के बीच मोदी का उनकी नाव चुनना किसी दैवीय चमत्कार से कम नहीं था.

गौरांग के घर की दीवारें भी बंगाल की राजनीति की तरह ही बेहद दिलचस्प और रंगीन हैं. उनके दो मंजिला मकान की दीवारों पर किसी एक पार्टी का रंग नहीं है.

डीपीआईआईटी ने ₹10,000 करोड़ के स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 में पूंजी परिनियोजन के प्रवाह को सुव्यवस्थित करने हेतु परिचालन संबंधी दिशानिर्देश जारी किए

डीपीआईआईटी ने ₹10,000 करोड़ के स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 में पूंजी परिनियोजन के प्रवाह को सुव्यवस्थित करने हेतु परिचालन संबंधी दिशानिर्देश जारी किए

स्टार्टअप इंडिया एफओएफ 2.0 को सेबी की ओर से पंजीकृत एआईएफ के जरिए लागू किया जाएगा, जिससे निजी निवेश को प्रोत्साहित किया जा सके और स्टार्टअप फंडिंग तक पहुंच का विस्तार किया जा सके

स्टार्टअप इंडिया एफओएफ 2.0 के कार्यान्वयन का नेतृत्व सिडबी करेगा; डीपीआईआईटी अपनी पहुंच और क्षमता के विस्तार के लिए अतिरिक्त एजेंसी को शामिल करेगा

स्टार्टअप इंडिया एफओएफ 2.0 उत्प्रेरक कोष के तौर पर कार्य करेगा, निजी पूंजी जुटाने को अनिवार्य बनाएगा और इकोसिस्टम के विकास में सहयोग करेगा

(जीएनएस)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 (एफओएफ 2.0) के लिए परिचालन संबंधी दिशानिर्देश जारी किए। ये दिशानिर्देश 10,000 करोड़ रुपये के कोष का परिचालन करने के लिए एक संरचित फ्रेमवर्क प्रदान करते हैं, जिसमें कोष के इस्तेमाल, संचालन और निगरानी के लिए स्पष्ट तौर पर परिभाषित तंत्र शामिल हैं। इसका उद्देश्य भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में पूंजी के प्रवाह की दक्षता में सुधार करना है।

यह योजना सेबी में पंजीकृत श्रेणियों क और क्क के वैकल्पिक निवेश कोषों (एआईएफ) के प्रति प्रतिबद्धताओं के माध्यम से लागू की जाएगी, जो डीपीआईआईटी की ओर से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में निवेश करेंगे। ऐसा करने से पूंजी आवंटन में अनुशासन, निजी निवेशों को आकर्षित करने और कई क्षेत्रों, चरणों और भौगोलिक क्षेत्रों में वित्तपोषण की व्यापक पहुंच के सुनिश्चित होने की उम्मीद है।

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) प्रारंभिक कार्यान्वयन एजेंसी के तौर पर काम करेगा और एक सुव्यवस्थित एआईएफ चयन और निगरानी प्रक्रिया के जरिए क्रियान्वयन करेगा। डीपीआईआईटी पहुंच बढ़ाने, क्षेत्रीय विशेषज्ञता को बेहतर करने और ऐसी योजनाओं के प्रबंधन के लिए संस्थागत क्षमताओं का निर्माण करने के लिए अतिरिक्त कार्यान्वयन एजेंसी को भी शामिल करेगा।

इकोसिस्टम में मौजूद विशेष कमियों को दूर करने के लिए, परिचालन संबंधी दिशानिर्देशों में एआईएफ (वैकल्पिक पूंजी निवेश) का संरचनात्मक तौर पर बंटवारा किया गया है, जिसमें गहन प्रौद्योगिकी-केंद्रित कोष, शुरूआती विकास वाले स्टार्टअप को सहयोग देने वाले माइक्रो वेंचर कैपिटल फंड, नवोन्मेषी और प्रौद्योगिकी-आधारित विनिर्माण क्षेत्रों पर केंद्रित कोष और क्षेत्र और चरण-संबंधी फंड शामिल हैं। प्रत्येक खंड के लिए निर्धारित मापदंड हैं, जिनमें कोष सीमा, सरकारी योगदान सीमा, कार्यकाल और न्यूनतम निजी पूंजी जुटाने का अनुपात शामिल है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि बाजार अनुशासन बनाए रखते हुए पूंजी को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में निर्देशित किया जाए।

दिशा-निर्देशों में एआईएफ के लिए दो-चरणीय चयन प्रक्रिया निर्धारित की गई है। कार्यान्वयन एजेंसी प्रारंभिक जांच-पड़ताल करेगी, जिसके बाद वेंचर कैपिटल निवेश समिति की ओर से मूल्यांकन किया जाएगा। यह समिति टीम के ट्रैक रिकॉर्ड, कोष प्रबंधन की क्षमता और निवेश रणनीति के आधार पर प्रस्तावों का आकलन करेगी। समिति में उद्योग, शिक्षा जगत और नवाचार इकोसिस्टम के प्रतिष्ठित नेतृत्वकर्ता शामिल हैं, जिनमें वल्लभ भंसाली, डॉ. अशोक झुनझुनवाला, डॉ. रेणु स्वरूप, डॉ. चिंतन वैष्णव और राजेश गोपीनाथन शामिल हैं। इनके साथ ही, कार्यान्वयन एजेंसी के प्रतिनिधि भी शामिल हैं, जो डीप टेक, मैन्युफैक्चरिंग, नीति और वेंचर इकोसिस्टम में विविध दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं। स्टार्टअप इंडिया एफओएफ 2.0 को प्रत्यक्ष निवेशक के बजाय उत्प्रेरक के तौर पर कार्य करने के लिए विकसित किया गया है, जिससे निजी पूंजी भागीदारी के माध्यम से कई गुना असर हो सके। दिशानिर्देशों में न्यूनतम निजी पूंजी जुटाने को अनिवार्य किया गया है।

उपराष्ट्रपति ने राजस्थान विश्वविद्यालय के 35वें दीक्षांत समारोह में युवाओं से रोजगार सृजनकर्ता और राष्ट्र निमार्ता बनने का आग्रह किया

(जीएनएस)।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज जयपुर में राजस्थान विश्वविद्यालय के 35वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में राजस्थान को समृद्ध विरासत, वीरता और गहरी सांस्कृतिक विरासत की भूमि बताया जिसने लंबे समय से उत्कृष्टता और चरित्र को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि जयपुर विरासत और प्रगति का एक जीवंत प्रतीक है और राजस्थान विश्वविद्यालय ज्ञान, सत्यनिष्ठा और सेवा के प्रति समर्पित विचारकों, नेताओं और परिवर्तनकताओं की पीढ़ियों को आकार देना जारी रखे हुए है।

उपराष्ट्रपति ने स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह एक अंत और एक नई शुरूआत दोनों का प्रतीक है। उन्होंने

छात्रों से अपने ज्ञान को प्रगति के साधन के रूप में उपयोग करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा का वास्तविक महत्व समाज की बेहतरी, नवाचार और नैतिक आचरण के लिए इसके प्रयोग में निहित है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए, उन्होंने स्नातकों को रोजगार सृजनकर्ता, नवप्रवर्तक और राष्ट्र निमार्ता बनने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने राजस्थान सरकार द्वारा मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में युवाओं के लिए नवाचार और अवसरों को बढ़ावा देने के प्रयासों की भी सराहना की।

महिला सशक्तिकरण के महत्व पर जोर देते हुए, उपराष्ट्रपति ने महिला स्नातकों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में स्वर्ण पदक जीतने वालों में अधिकांश महिलाएं रही हैं।

उन्होंने कहा कि उनकी उपलब्धियां महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करती हैं और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए समान अवसर, गरिमा और नेतृत्व की भूमिका के बिना एक सच्चा विकसित राष्ट्र अस्तित्व में नहीं रह सकता।

होमगार्ड परीक्षा देकर स्टेशन पहुंचे अभ्यर्थी, हजारों की भीड़ देख पुलिस के फूले हाथ-पांव

होमगार्ड भर्ती परीक्षा के बाद लखनऊ स्टेशनों पर अभ्यर्थियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे ट्रेनों में अव्यवस्था फैल गई।

लखनऊ। (जीएनएस)। होमगार्ड भर्ती परीक्षा देकर वापस लौटने वाले अभ्यर्थियों की भीड़ शनिवार शाम लखनऊ स्टेशन पर उमड़ पड़ी। लखनऊ स्टेशन के होल्डिंग एरिया में अभ्यर्थियों को रोका गया। यहां से उनको दिशा के अनुसार ट्रेनों में भेजा गया।

दो पालियों की परीक्षा देने के बाद

अभ्यर्थी आटो, बसों और अन्य साधनों से लखनऊ स्टेशन व लखनऊ जंक्शन पहुंचे। इसके अलावा गोरखपुर की ओर जाने वाले अभ्यर्थी ऐशबाग, बादशाहनगर और गोमतीनगर स्टेशन पर जुटे।

अभ्यर्थियों की अधिक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लखनऊ स्टेशन पर जीआरपी व आरपीएफ ने कमान संभाली। रेलवे ने अतिरिक्त टिकट काउंटरों की व्यवस्था की।

हालांकि त्रिवेणी एक्सप्रेस, जनता एक्सप्रेस सहित एक दर्जन ट्रेनों की आरक्षित बोगियों में अभ्यर्थियों ने सीटों का कब्जा जमाया। जीआरपी और आरपीएफ ने अभ्यर्थियों को आरक्षित बोगियों से उतारकर उनको अनारक्षित बोगियों में भेजा। रेलवे ने दो स्पेशल ट्रेनें चलायीं जिनसे अभ्यर्थी अयोध्या व प्रयागराज की ओर रवाना हुए।

उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती परीक्षा: पेपर माफिया क्यूआर कोड के जरिए मांग रहा था मोटी रकम, लखनऊ में एफआईआर

लखनऊ में होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया के बीच एक बड़ी साजिश का भंडाफोड़ हुआ है. पुलिस भर्ती और प्रोन्नति बोर्ड की सतर्कता से पेपर माफिया बनकर युवाओं को ठगने वाले गिरोह की पोल खुल गई है. सोशल मीडिया पर फर्जी पेपर के बदले पैसे ऐंठने की कोशिश करने वालों के खिलाफ अब पुलिस ने शिकंजा कस दिया है.

लखनऊ में होमगार्ड भर्ती की लिखित परीक्षा को लेकर बड़ा फजीर्वाड़ा सामने आया है. परीक्षा का पेपर उपलब्ध कराने के नाम पर सोशल मीडिया पर फर्जी पोस्ट डालकर पैसे वसूली की कोशिश की गई. इस मामले में पुलिस भर्ती बोर्ड के इंस्पेक्टर ने हुसैनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है.

पुलिस ने बताया कि ठगों ने टेलीग्राम पर 'EXAM PAPER WALLAH' नाम से एक चैनल बनाया था. इस चैनल पर @PAPER_MAFIAY हैंडल के जरिए यह भ्रामक मैसेज फैलाया जा रहा था कि उनके पास होमगार्ड भर्ती का असली परीक्षा पेपर मौजूद है. गिरोह ने अभ्यर्थियों से पैसे लेने के लिए बाकायदा एक क्यूआर कोड भी सार्वजनिक किया था.

हुसैनगंज थाने में एफआईआर दर्ज

भर्ती बोर्ड की सोशल मीडिया सेल ने इस संदिग्ध गतिविधि को पकड़ लिया. इसके बाद बोर्ड के इंस्पेक्टर ने लखनऊ के हुसैनगंज थाने में मामला दर्ज कराया. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ ठगी और धोखाधड़ी, आईटी एक्ट, नकल विरोधी कानून की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है.

भर्ती बोर्ड की सख्त निगरानी

वर्तमान में पुलिस भर्ती बोर्ड की स्पेशल सेल WhatsApp, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और टेलीग्राम जैसे सभी प्लेटफॉर्म्स पर 24 घंटे नजर रख रही है। किसी भी तरह के पेपर लीक के दावे या सॉल्वर गैंग की सूचना पर तत्काल छापेमारी की जा रही है.

यूपी के 14 जिलों से गुजरने वाले गंगा और लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे से किसको-कितना फायदा होगा?

(जीएनएस)।\

देश को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे मिलने के बाद अब यूपी की बारी है. 29 अप्रैल को गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन होगा. यह मेरठ से प्रयागराज को 594 किमी लम्बे रूट से जोड़ेगा. वहीं, 63 किमी लंबे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन मई में होने की उम्मीद है. दोनों ही एक्सप्रेसवे से यूपी के 14 जिलों से सीधे तौर पर जुड़े हैं. जानिए, दोनों एक्सप्रेसवे कितने लंबे हैं, कौन-कौन से जिले से ये गुजरने वाले हैं? किसे फायदा होगा, कितने घंटे बचेंगे, कब से शुरू होगा और क्या-क्या खूबियां हैं.

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर गाड़ियां फरार्टा भरने लगी हैं. यह एक्सप्रेसवे हाल ही में शुरू हुआ है. पीएम नरेंद्र मोदी ने इसका शुभारंभ इसी महीने किया है. इसके बाद यूपी में नई रफ्तार की तैयारी है. दो नए एक्सप्रेसवे तैयार हैं. इनकी चर्चा भी खूब हो रही है. पहला लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे और दूसरा है गंगा एक्सप्रेसवे. इनके शुरू होने से रफ्तार बढ़ेगी. समय बचेगा. जाम घटेगा. औद्योगिक रफ्तार भी बढ़ेगी. व्यापार और नौकरी के मौके भी बढ़ने वाले हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 29 अप्रैल को हरदोई जिले के मल्लावां में गंगा एक्सप्रेसवे का शुभारंभ करने वाले हैं. इसकी तैयरियां तेज हो चली हैं. खुद सीएम योगी हरदोई जाकर तैयारियों की समीक्षा कर चुके हैं. आइए, जानते हैं कि ये दोनों एक्सप्रेसवे कितने लंबे हैं, कौन-कौन से जिले से ये गुजरने वाले हैं? किसे फायदा होगा, कितने घंटे बचेंगे, कब से शुरू होगा और क्या-क्या खूबियां हैं.

1- कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे: 63 किमी लंबा

यह एक्सप्रेसवे लगभग 63 किमी लंबा है. यह 6 लेन का है तथा एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे है. इस पर अधिकतम गति 120 किमी प्रति घंटा वहां चल सकेंगे. इसका करीब 18 किमी हिस्सा एलिवेटेड भी है. यह एक्सप्रेसवे लखनऊ, उन्नाव और कानपुर नगर जिले को जोड़ने वाला है. यह एक्सप्रेसवे कई गांव और कस्बों से गुजरेगा. रिपोर्ट्स के अनुसार यह लखनऊ के 11 और उन्नाव के 31 गांव-कस्बों से गुजरता है.

किसे होगा इस नए एक्सप्रेसवे से फायदा?

लखनऊ-कानपुर के बीच बहुत बड़ी संख्या में लोग रोज अप-डाउन करते हैं. इनमें कर्मचारी भी हैं, स्टूडेंट्स भी हैं और व्यापारी भी. बिजनेस और इंडस्ट्रीज से जुड़ी गाड़ियां भी जल्दी पहुंच सकेंगी. कानपुर से लखनऊ आकर फ्लाइट पकड़ने वालों को भी लाभ मिलेगा. सफर छोटा होने से ईंधन भी बचेगा. समय बचने से डिलीवरी और लॉजिस्टिक्स तेज होंगे. अभी लखनऊ से कानपुर रोड पर अक्सर 2.5 से 3 घंटे तक लग जाते हैं.

नया एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद समय 40-45 मिनट तक होने का दावा है. यानी लगभग 1.5 से 2 घंटे तक की बचत हो सकती है. यद्यपि, टोल टैक्स अंतिम रूप से तय नहीं है लेकिन माना जा रहा है कि यह देश का सबसे छोटा लेकिन टोल के मामले में सबसे महंगा एक्सप्रेसवे होगा.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसका एक तरफ से टोल 275 तथा 24 घंटे में वापसी पर 425 रुपये होगा. पहले उम्मीद की जा रही थी कि इसका शुभारंभ इसी महीने हो जाएगा, लेकिन अब एनएचएआई ने इसे लेकर तस्वीर साफ कर दी है. यह नया एक्सप्रेसवे मई अंत या जून 2026 में शुरू हो सकता है. इसका 10 फीसदी के आसपास काम बाकी है.

क्या-क्या हैं इसकी खूबियां?

इसमें कई आधुनिक सेफ्टी और मैनेजमेंट फीचर्स बताए जा रहे हैं. हाई स्पीड कॉरिडोर और एक्सेस कंट्रोल युक्त इस सड़क पर सीसीटीवी से निगरानी की व्यवस्था की जा रही है. कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है. आगे चलकर रेस्ट एरिया, फ्यूल स्टेशन, ट्रॉमा सेंटर जैसी सुविधाओं की योजना पर भी काम हो रहा है. इस मार्ग पर दो पहिया वाहन नहीं चल सकेंगे. इस एक्सप्रेसवे पर आमजन की सुविधा के लिए 11 अंडरपास लगभग 10 किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर, एक रेलवे ओवर ब्रिज तथा चार पुल बने हैं.

गंगा एक्सप्रेसवे की लंबाई बताई गई है. यह भी सिक्स-लेन का है. जरूरत पड़ी तो इसे आठ-लेन तक विस्तार दिया जा सकता है. यह एक्सप्रेसवे 12 जिलों से होकर गुजर रहा है. इनमें मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज शामिल हैं.

टीचर पति-पत्नी ने बारी-बारी से दी जान: आगरा में पत्नी ने की आत्महत्या, तो लखनऊ के होटल में पति ने दे दी जान

जगदीशपुरा थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि शिक्षक जितेंद्र और शिक्षिका पूजा ने आत्महत्या क्यों की? जांच की जा रही है.

आगराः (जीएनएस)। शिक्षिका पत्नी ने ससुराल में जान दी तो परिजन ने शिक्षक पति पर केस दर्ज करा दिया. इससे घबराए शिक्षक पति ने भी लखनऊ के होटल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. 24 घंटे में पति-पत्नी की मौत से दोनों ही परिवार में कोहराम मचा हुआ है.

DCP सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि 30 शिक्षिका पूजा सिंघल (30) का मायका अर्जुन नगर कॉलोनी, आगरा में है. पूजा सिंघल की तैनाती श्रावस्ती में प्राथमिक शिक्षक पद पर थी. सन् 2020 में पूजा की शादी मूलतः कागारौल निवासी शिक्षक जितेंद्र गोयल से हुई थी.

पहले शिक्षिका ने की आत्महत्याः शिक्षक जितेंद्र की तैनाती बहराइच में एक प्राथमिक विद्यालय में है. जितेंद्र गोयल के पिता वासुदेव गोयल, भाई रोमी और राहुल हाल में अवधपुरी कॉलोनी जगदीशपुरा में रहते हैं. पूजा अवकाश लेकर ससुराल के एक कार्यक्रम में शामिल होने आगरा आई थी.

बुधवार दोपहर कार्यक्रम से

ससुराल लौटीं. उसने 5 वर्षीय बेटे को दूसरे कमरे में सुलाया और अपने अपने कमरे में चली गई. बुधवार शाम बेटे ने मां को आवाज लगाई, लेकिन कोई उत्तर नहीं मिला. तब वह चाचा के पास पहुंचा.

इस पर दोनों ने दरवाजा खुलवाने के लिए पूजा कई बार आवाज लगाई. जब कोई हलचल नहीं हुई तो घबराए परिजनों ने पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने दरवाजा खोला और पूजा का शव फंदे से उतारा गया. सूचना पर पूजा के मायके वाले आ गए. मायके वालों ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दे दी.

ससुराल वालों के खिलाफ केसः ऊढढ सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि मायके वालों की तहरीर पर पुलिस ने गुरुवार को पति जितेंद्र गोयल, ससुर वासुदेव गोयल, देवर रोमी और राहुल के खिलाफ दहेज हत्या और दहेज उत्पीड़न की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया.

इसके बाद पुलिस ने इस मामले में पूछताछ के लिए देवर रोमी और राहुल को हिरासत लिया. साथ ही घटना के बाद से बहराइच के प्राथमिक शिक्षक पति जितेंद्र ने किसी का फोन नहीं उठाया.

लखनऊ के होटल में पति का सुसाइडः गुरुवार रात लखनऊ के नाका थाना क्षेत्र से पुलिस को सूचना मिली कि होटल के कमरे में जितेंद्र गोयल का शव कमरे में फंदे पर लटका मिला है. छानबीन में यह सामने आया कि गुरुवार सुबह ही जितेंद्र गोयल ने होटल में चेक इन किया था.

शाम को आत्महत्या की जानकारी मिली. परिजन इसके बाद जितेंद्र का शव लखनऊ से लाने के लिए थाने से रोमी और राहुल को ले गए. शुक्रवार रात परिजन जितेंद्र का शव लेकर आगरा लौटे.

रिश्तेदारों को बताई थी पीड़ाः पूजा और जितेंद्र के बीच आखिर किस बात को लेकर अनबन चल रही थी. यह किसी को पता नहीं है. पूजा बुधवार को ससुराल पक्ष की एक रिश्तेदारी के पारिवारिक कार्यक्रम में गई थी. वहां पर आए लोगों से पूजा ने जितेंद्र के व्यवहार के बारे में शिकायत की थी. कहा कि मैं परेशान हूं.

जगदीशपुरा थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि शिक्षक जितेंद्र गोयल और शिक्षिका पूजा ने आत्महत्या क्यों की? इसकी जांच की जा रही है. प्राथमिक जांच में गृह क्लेश के चलते आत्महत्या की बात सामने आई है.

लखनऊ में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, उसके प्रेमी पर हत्या का आरोप

लखनऊ। संदिग्ध परिस्थितियों में शुक्रवार देर रात 42 वर्षीय नीलम सक्सेना की मौत का प्रकरण तूल पकड़ने लगा है। रिंग रोड पर बालागंज की मिश्री बगिया कालोनी निवासी नीलम का शव पीला पड़ चुका था।

मृतका के भाई ने उसके प्रेमी संजय गौतम पर हत्या का आरोप लगाते हुए ठाकुरगंज थाने में तहरीर दी है। घटना के बाद से प्रेमी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। मौत के कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हैं।

हरदोई के अतरौली में हयातगंज के नरेश ने बताया कि बहन नीलम का विवाह अतरौली के गौर के संजय से हुआ था। उनके चार बेटियां शिवानी, प्रांशी मधु व निधि हैं। लगभग चार महीने पहले नीलम अपने पति से अलग होकर अतरौली के कौड़िया निवासी संजय गौतम के साथ लखनऊ आ गई।

वह बालागंज की मिश्री बगिया में खाली प्लाट में झोपड़ी बनाकर छोटी बेटी निधि व संजय गौतम के साथ रहने लगी। बेटी निधि ने बताया कि रात में मां और संजय के बीच कुछ कहासुनी हुई थी। इसके बाद संजय ने उनका गला दबा दिया।

नीलम के भाई ठाकुरगंज के मिश्री बगिया निवासी नरेश के अनुसार चार माह पहले नीलम का पति संजय सक्सेना से अलगाव हो गया था। उनकी तीन बेटियां हरदोई के अतरौली हयातगंज स्थित ननिहाल में रह रही हैं।

नीलम कुछ समय से हरदोई के अतरौली कौड़िया निवासी प्रेमी संजय गौतम और आठ साल की बेटी निधि के साथ लिवइन में रहकर मजदूरी करती थी। शुक्रवार देर रात नीलम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

शनिवार भोर में उनको खबर मिली कि नीलम की मौत हो गई है। खबर पाकर नीलम के भाई व अन्य लोग मौके पर पहुंच गए। भाई का कहना है कि बहन का शव नीला पड़ चुका था। उन्होंने बहन की हत्या की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी।

पुलिस के पहुंचने से पहले ही प्रेमी भाग निकला

हत्या की सूचना मिलते ही ठाकुरगंज पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही प्रेमी संजय गौतम वहां से भाग निकला। पुलिस ने छानबीन के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुला लिया। भाई ने प्रेमी संजय गौतम पर बहन की हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज ओमवीर सिंह ने बताया कि शरीर पर कोई भी चोट के निशान नहीं मिले हैं।

बेटी का आरोप गला दबाया था

नीलम की आठ साल की बेटी निधि के मुताबिक शुक्रवार रात में मां खाना खाकर सो गई थी। इसी बीच रात में संजय गौतम ने मां का गला दबा दिया, जिससे वह बेहोश हो गई।

नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) 2.0 ऐप का शुभारंभ

(जीएनएस)।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने 15 अगस्त 2020 को 272 चिन्हित सबसे संवेदनशील जिलों में नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) शुरू किया था और अब इसे 15 अगस्त 2023 से देश के सभी जिलों में शुरू किया गया है। नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य जनसमुदाय तक पहुंचना और मादक पदार्थों के सेवन के बारे में जागरूकता फैलाना है।

अब तक, जमीनी स्तर पर की गई विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से, देश भर में शैक्षणिक संस्थानों सहित विभिन्न स्तरों पर आयोजित 8.3 लाख से अधिक गतिविधियों के माध्यम से 26 करोड़ से अधिक लोगों को मादक पदार्थों के सेवन के प्रति जागरूक किया गया है, जिनमें 9.5 करोड़ से अधिक युवा, 6.47 करोड़ से अधिक महिलाएं और 28,000 से अधिक नशा मुक्ति मित्र (पूर्व में मास्टर स्वयंसेवक के रूप में जाने जाते थे) शामिल हैं।

दवाओं की मांग में कमी के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीडीडीआर) के निगरानी एवं कार्यान्वयन ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पंजाब के माननीय राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया और माननीय केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने 24 अप्रैल, 2026 को चंडीगढ़ में चिंतन शिविर के उद्घाटन सत्र में उन्नत नशामुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) 2.0 ऐप का शुभारंभ किया। यह उन्नत एप्लिकेशन राज्यों/जिलों और अन्य हितधारकों के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल माध्यम के रूप में डिजाइन किया गया है, जो राष्ट्रीय, राज्य, जिला और संस्थागत स्तरों पर कार्यान्वयन एजेंसियों के बीच वास्तविक समय में रिपोर्टिंग, निगरानी और समन्वय को सुगम बनाएगा। उन्नत संस्करण में मौजूदा क्षमताओं को बढ़ाते हुए पारदर्शिता, जवाबदेही और डेटा-आधारित शासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नई सुविधाओं को शामिल किया गया है।

एनएमबीए ऐप वर्तमान में अधिकृत उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। यह ऐप राज्यों, जिलों, आध्यात्मिक संगठनों और अन्य हितधारकों को नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत गतिविधियों को अपलोड करने और ट्रैक करने में सहायता करता है। यह ऐप एक समेकित डैशबोर्ड के माध्यम से लगभग वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करता है। यह नशा मुक्ति मित्रों के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री और बुनियादी संचार सहायता प्रदान करके जागरूकता प्रयासों को सुगम बनाने के लिए एक संसाधन मंच के रूप में भी कार्य करता है। ऐप में मास्टर स्वयंसेवकों (नशा मुक्ति मित्रों) को जोड़ने और उनके प्रबंधन के लिए एक सरल प्रणाली शामिल है।

'रश्मिरथी पर्व' में गूंजा स्वामी विवेकानंद का संदेश, 90 मिनट के नाट्य मंचन ने युवाओं में भरा जोश

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित तीन दिवसीय रश्मिरथी पर्व के दूसरे दिन शनिवार को स्वामी विवेकानंद के जीवन, विचारों और सांस्कृतिक भारत निर्माण में उनके योगदान पर आधारित विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं, साहित्य प्रेमियों और बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। परिसर भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। नाट्य मंचन की शुरूआत स्वामी विवेकानंद के प्रेरक वाक्य ' उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए ' से हुई।

करीब 90 मिनट तक चला नाट्य मंचन

द्वितीय दिवस का मुख्य आकर्षण स्वामी विवेकानंद के सांस्कृतिक भारत निर्माण में योगदान विषय पर आयोजित परिसंवाद रहा। नाट्य मंचन शुरू होने से पहले वक्ताओं ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति, आत्मगौरव और आध्यात्मिक चेतना को विश्व मंच पर नई पहचान दिलाई। उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास, राष्ट्रसेवा और चरित्र निर्माण का संदेश दिया, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। करीब 90 मिनट तक स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित नाट्य मंचन प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने उनके संघर्ष, तपस्या और शिकागो धर्म संसद में दिए गए ऐतिहासिक उद्बोधन को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। सांस्कृतिक संध्या में प्रस्तुति ने सभी को भावविभोर कर दिया।

पानी पंचायत पुस्तक का हुआ विमोचन

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की उपस्थिति में पानी पंचायत पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और समाज की सहभागिता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद आज भी युवाओं के लिए आदर्श हैं। उनके विचार संकल्प शक्ति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देते हैं। इस दौरान कृषि मंत्री एवं संयोजक सूर्य प्रताप शाही, पूर्व मंत्री व विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, पूर्व विधायक डॉ. सिद्धार्थ शंकर, भाजपा नेता डॉ. नीरज सिंह, राजेंद्र सिंह तथा महानगर

'वैश्विक खेल शक्ति बनने की हमारी 10 वर्षीय योजना केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे प्रत्येक खेल के मैदान, प्रत्येक जिले और प्रत्येक युवा के सपने में साकार होना चाहिए' - केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया

'खेलो भारत मिशन हमारे युवाओं की ऊर्जा और राष्ट्र की प्रतिबद्धता का प्रतीक है' - डॉ. मांडविया

विभिन्न राज्यों के खेल मंत्रियों ने खिलाड़ी-केंद्रित दृष्टिकोण पर आम सहमति बनाने की इस पहल की प्रशंसा की

(जीएनएस)।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रियों का चिंतन शिविर आज जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में शुरू हुआ। इसमें समन्वित कार्रवाई, व्यवस्थागत सुधार, नीतिगत अनुकूलन और जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन के माध्यम से भारत के खेल परिदृश्य को मजबूत करने पर ध्यान देने के बारे में विचार-विमर्श किया गया।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर देते हुए कहा कि भारत की खेल संबंधी महत्वाकांक्षाएं जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन के माध्यम से ही साकार होंगी।

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, 'वैश्विक खेल शक्ति बनने का हमारी 10 वर्षीय रूपरेखा केवल कागजों पर ही नहीं सीमित रहनी चाहिए, बल्कि इसे हर खेल के मैदान, हर जिले और हर युवा के सपने में साकार होना चाहिए।'

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी चिंतन शिविर में

उपस्थित थे। उन्होंने भारत को खेलों का महाशक्ति स्थल बनाने के दृष्टिकोण की प्रशंसा की।

केंद्रीय खेल मंत्री ने राज्यों से नीति निर्माण से आगे बढ़कर सक्रिय कार्यान्वयन की दिशा में कदम बढ़ाने का आ'ान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वास्तविक प्रगति का मापन जिलों, प्रशिक्षण प्रणालियों और जमीनी स्तर के खेल परिदृश्य में दिखाई देने वाले परिणामों से ही होगा।

उन्होंने कहा, 'खेलो भारत मिशन सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, यह हमारे युवाओं की ऊर्जा और राष्ट्र की प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है।'

डॉ. मांडविया ने राज्य सरकारों और खेल संघों के बीच लंबे समय से चली आ रही दूरी को पाटने का आ'ान करते हुए एक मजबूत और एकीकृत प्रतिभा विकास केंद्र बनाने के लिए घनिष्ठ समन्वय का आग्रह किया।

डॉ. मांडविया ने समन्वय के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि प्रारंभिक प्रतिभा पहचान के लिए शिक्षा प्रणाली के साथ समन्वय आवश्यक है और शारीरिक शिक्षा शिक्षक जमीनी स्तर की खेल व्यवस्था का आधार हैं।

केंद्रीय खेल मंत्री महोदय ने कहा, 'यदि एक भी प्रतिभाशाली बच्चा अवसर की कमी के कारण पीछे रह जाता है, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि नहीं है, बल्कि पूरे राष्ट्र की हानि है।'

डॉ. मांडविया ने कहा कि खेल एक परिवर्तनकारी साधन के रूप में विशेष रूप से, जम्मू-कश्मीर और अन्य चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में कार्य करते हैं, जो सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता में योगदान करते हैं।

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मांडविया ने प्रणालीगत कमियों को दूर करते हुए प्रशिक्षकों के नियमित प्रमाणीकरण और उन्नयन, खिलाड़ियों के वैज्ञानिक प्रशिक्षण तथा खेल प्रशासन में क्षमता निर्माण का आ'ान किया।

डॉ. मांडविया ने एक सुचारू इकोसिस्टम के महत्व पर जोर देते हुए कहा, 'जब बुनियादी ढांचा, प्रतिभा की पहचान और प्रशिक्षित मानव संसाधन एक अटूट कड़ी के रूप में एक साथ आते हैं, तो ओलंपिक पोडियम अपने आप ही मिल जाएंगे।' उन्होंने जमीनी स्तर की भागीदारी को उच्च स्तरीय प्रदर्शन से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. मांडविया ने ग्वालियर के लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान द्वारा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए खेल में भागीदारी, खेल भावना और नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए वाईईएस-पीई (युवाओं की खेल एवं शारीरिक शिक्षा में भागीदारी) कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया।

खेल सचिव श्री हरि रंजन राव ने सभा को संबोधित करते हुए